Brainbox learn easy

संत Monk महात्मा – हिन्दू धर्म तथा अन्य भारतीय धर्मों में सन्त उस व्यक्ति को कहते हैं जो सत्य आचरण करता है तथा आत्मज्ञानी है, जैसे संत शिरोमणि गुरु रविदास , सन्त कबीरदास, संत तुलसी दास गुरू घासीदास।'सन्त' शब्द 'सत' शब्द के कर्ताकारक का बहुवचन है। इसका अर्थ है – साधु, संन्यासी, विरक्त या त्यागी पुरुष या महात्मा।

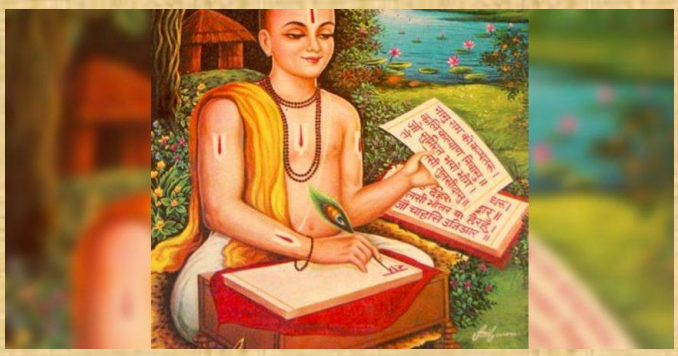

कवि Poet कवि– कवि वह है जो भावों को रसाभिषिक्त अभिव्यक्ति देता है और सामान्य अथवा स्पष्ट के परे गहन यथार्थ का वर्णन करता है। इसीलिये वैदिक काल में ऋषयः मन्त्रदृष्टारः कवयः क्रान्तदर्शिनः अर्थात् ऋषि को मन्त्रदृष्टा और कवि को क्रान्तदर्शी कहा गया है। ''जहाँ न पहुँचे रवि, वहाँ पहुँचे कवि'' लोकोक्ति प्रसिद्ध है। महादेवी वर्मा, जयशंकर प्रसाद, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला सुमित्रानंदन पंत, सुभद्रा कुमारी चौहान, रामधारी सिंह दिनकर, भवानी प्रसाद मिश्र, बाबा नागार्जुन, अज्ञेय, हरिवंश राय बच्चन, गोपाल दस नीरज, कवि प्रदीप, अशोक चक्रधर

माया गोविन्द, प्रभा ठाकुर, कुमार विश्वास, चिराग जैन, सरिता शर्मा, कीर्ति काले, सीता सागर, मनीषा शुक्ला

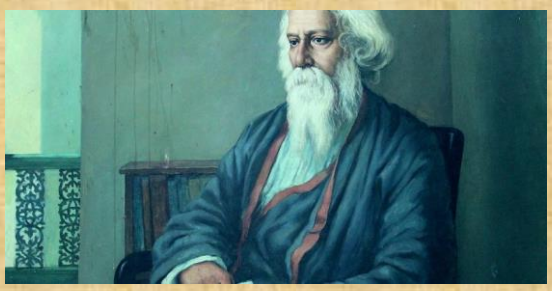

समाज सुधारक Social Worker समाज सुधारक– भारतीय समाज सुधारक, जिन्होंने आधुनिक भारत की नींव स्थापित करने में सहायता की है एक समृद्ध इतिहास के कुछ मामलों में, राजनीतिक कार्रवाई और दार्शनिक शिक्षाओं के माध्यम से दुनिया भर में अपने प्रभाव से प्रभावित किया है, यह एक साथ समाज सुधारकों जो उम्र के माध्यम से रहता है की एक विस्तृत सूची डाल करने के लिए लगभग असंभव है। नीचे उनमें से कुछ कर रहे हैं।

कबीरदास

गुरु घासीदास

गुरु अमरदास

गुरु बालकदास

भीमराव आंबेडकर

महात्मा गाँधी

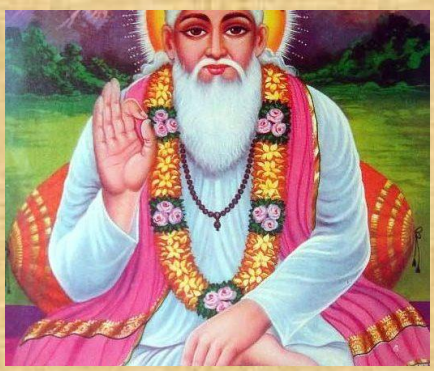

दोहे Couplets दोहे– दोहा एक मात्रिक छंद है जिसके प्रथम और तृतीय चरण में 13,13 मात्राएं होती है। और दूसरे और अंतिम चरण में 11,11 मात्राएं होती है। इसमें 24 ,24 मात्रा की दो पंक्तियां होती है। प्रसिद्ध दोहाकार कबीर दास, मीराबाई, रहीम, तुलसीदास और सूरदास हैं। सबसे लोकप्रिय तुलसीदास की रामचरितमानस है। जिसे दोहा में लिखा गया है, जो संस्कृत महाकाव्य रामायण का प्रतिपादन है।

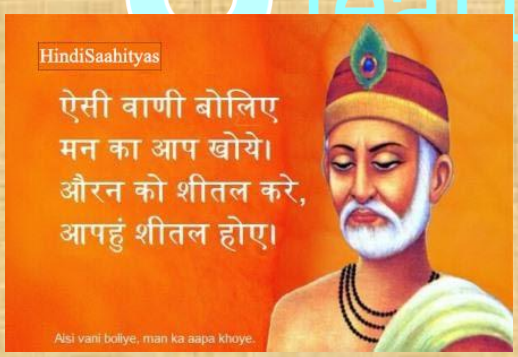

Brainbox learn easy

कबीर दास Kabir Das- कबीर या भगत कबीर 15वीं सदी के भारतीय रहस्यवादी कवि और संत थे। वे हिन्दी साहित्य के भक्तिकालीन युग में ज्ञानाश्रयी–निर्गुण शाखा की काव्यधारा के प्रवर्तक थे। इनकी रचनाओं ने हिन्दी प्रदेश के भक्ति आंदोलन को गहरे स्तर तक प्रभावित किया। उनका लेखन सिक्खों के आदि ग्रंथ में भी देखने को मिलता है। वे हिन्दू धर्म व इस्लाम को न मानते हुए धर्म निरपेक्ष थे। उन्होंने सामाज में फैली कुरीतियों, कर्मकांड, अंधविश्वास की निंदा की और सामाजिक बुराइयों की कड़ी आलोचना की थी।ख्1,ख्3, उनके जीवनकाल के दौरान हिन्दू और मुसलमान दोनों ने उन्हें अपने विचार के लिए धमकी दी थी। कबीर पंथ नामक धार्मिक सम्प्रदाय इनकी शिक्षाओं के अनुयायी हैं।

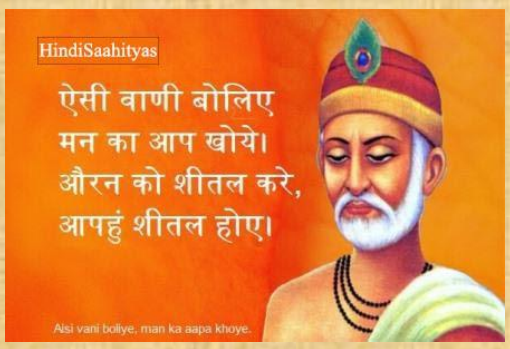

प्रलय Holocaust सर्व–नाश– प्रलय का अर्थ होता है संसार का अपने मूल कारण प्रकृति में सर्वथा लीन हो जाना, सृष्टि का सर्वनाश, सृष्टि का जलमग्न हो जाना।

पुराणों में काल को चार युगों में बाँटा गया है। हिंदू मान्यताओं के अनुसार जब चार युग पूरे होते हैं तो प्रलय होती है। इस समय ब्रह्मा सो जाते हैं और जब जागते हैं तो संसार का पुनः निर्माण करते हैं और युग का आरम्भ होता है।

inbox

खजूर Dates खजूर– डेक्टाइलेफेरा) एक ताड़ प्रजाति का वृक्ष है, जिसकी कृषि बड़े पैमाने पर इसके खाद्य फल के लिए की जाती है। चूँकि इसकी खेती बहुत पहले से हो रही है इसलिए इसका सटीक मूल स्थान तलाशना लगभग असंभव है, लेकिन जलवायु के परि इसकी अनुकूलता को देखते हुये कहा जा सकता है के इसका मूल शायद उत्तरी अफ्रीका के किसी नखलिस्तान या शायद दक्षिण पश्चिम एशिया में है। यह एक मध्यम आकार का पेड़ है और इसकी ऊँचाई 15–25 मीटर तक होती है, अक्सर कई तने एक ही मूल (जड़) प्रणाली से जुडे होते हैं पर यह अक्सर अकेले भी बढ़ते हैं।

छाया Shadow प्रतिबिंब– किसी प्रकाशीय श्रोत के सामने एक अपारदर्शक वस्तु रखने पर प्रकाश की किरणें वस्तु को पार नहीं कर पाती हैं जिससे वस्तु के पीछे एक अन्धकार भाग दिखाई पड़ता है जिसे छाया कहते हैं।

Brainbox
learn easy